AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

विकास में महिला नेतृत्व की भूमिका अहम

लविवि : सेमिनार में पहुंचीं जी-20 की ब्रांड एंबेस्डर स्क्वाड्रन लीडर तूलिका रानी

संवाद न्यूज एजेंसी

लविवि में सेमिनार में बोलतीं जी-20 की ब्रांड एंबेस्डर स्क्वाड्रन लीडर तूलिका रानी। -संवाद

लखनऊ। जी-20 की ब्रांड एंबेस्डर चुनी गईं स्क्वाड्रन लीडर तूलिका रानी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत ने हमेशा से ही महिला और पुरुष के बीच के अंतर को समाप्त किया है। भारतीय संस्कृति ही है जिसने अर्धनारीश्वर परंपरा को साकार करते हुए वसुधैव कुटुम्बकम की अवधारणा को चरितार्थ किया है।

वे शनिवार को लविवि के समाजशास्त्र विभाग में आयोजित सेमिनार में बोल रही थीं। समाजशास्त्र विभाग और वी केयर फाउंडेशन की ओर से आयोजित 'विकास में महिला नेतृत्व की भूमिका' विषयक सेमिनार में तूलिका रानी ने कहा कि हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि देश की राष्ट्रपति और प्रदेश की राज्यपाल दोनों ही महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि जी-20 की अध्यक्षता भारत के लिए गौरव का क्षण है जो हमें विश्व पटल पर पहचान दिलाएगा। विशिष्ट अतिथि प्रो. निशी पांडेय ने कहा कि शक्तिशाली महिलाएं बिना डरे पितृसत्तामक पहाड़ों को तोड़कर अपना रास्ता बनाती हैं। मनोवैज्ञानिक प्रो. अर्चना शुक्ला ने कहा कि महिलाओं को अपनी शक्तियों को जानने के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं होना है। इस अवसर पर समाजशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो. डीआर साहू, प्रो. राकेश चंद्रा, अंजू त्रिपाठी और वी केयर फाउंडेशन की संस्थापक डॉ. रेनू मौजूद रहीं।

कार्यक्रम के दौरान गुल रही बिजली

लविवि में कार्यक्रम के दौरान पूरे समय बिजली गुल रही। इसे देखते हुए प्रो. निशी पांडेय ने चुटकी लेते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने बिना बिजली-पानी के ही नैक में ए-प्लस प्लस ग्रेड हासिल कर ली। उनकी इस बात पर पूरा हाल ठहाकों से गूंज उठा।

प्रो. अनूप भारतीय ने दिया दुबई में व्याख्यान

लखनऊ। लविवि के समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनूप भारतीय ने शनिवार को दुबई में हुए ग्लोबल कॉन्क्लेव 2023 में व्याख्यान दिया। उन्होंने संबोधन में कहा कि संकट या विपरीत स्थिति में महिलाएं, पुरुषों की अपेक्षा ज्यादा धैर्य से कार्य करती हैं और ज्यादा संवेदनशील रहती हैं। उन्हें ग्लोबल कॉन्क्लेव-2023 अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। (माई सिटी रिपोर्टर)

देश की आर्थिक नीति में बदलाव जरूरी

लखनऊ। लविवि के व्यापार प्रशासन विभाग की इकाई मैनेजमेंट एक्यूमेन सेल की ओर से शनिवार को भारतीय अर्थव्यवस्था और बैंकिंग सेक्टर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अर्थशास्त्री डॉ. मनोरंजन शर्मा ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार लाने के लिए 1992 जैसी नई आर्थिक नीति पर विचार करना होगा। डॉ. शर्मा इस समय इन्फॉमेरिक्स रेटिंग्स कंपनी के चीफ इकोनॉमिस्ट के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने कहा कि आर्थिक मंदी का असर लंबे समय तक बना रहता है। देश के आर्थिक हालात सामान्य नहीं हैं। उपक्रमों के निजी हाथों में जाने से देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचेगा। डॉ. मनोरंजन शर्मा ने कहा कि अर्थव्यवस्था में सुधार के लिए ऐसी नीति अपनानी चाहिए जिससे छोटे उद्योगों को बल मिल सके और रोजगार के अवसर सृजित हो सकें। कार्यक्रम की संयोजक विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता साहू, डॉ. निमिषा कपूर, डॉ. राम सिंह और डॉ. शिल्पी सिंह मौजूद रहे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 6

छात्रों ने जानी देश-विदेश की आर्थिक स्थिति

लखनऊ। देश के जाने माने अर्थशास्त्री डॉ. मनोरंजन शर्मा ने एलयू के व्यापार प्रशासन विभाग में छात्रों को देश की आर्थिक विकास दर, वैश्विक आर्थिक मंदी के प्रभाव व सार्वजानिक क्षेत्रों के उपक्रमों का निजीकरण पर अपने विचार रखे। वह शनिवार को मैनेजमेंट एक्यूमेंन सेल द्वारा भारतीय अर्थव्यवस्था एवं बैंकिंग सेक्टर पर आयोजित सेमिनार में मुख्य अतिथि रहे। डॉ. मनोरंजन शर्मा संयोजक विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता साहू, समन्वयक डॉ. निमिषा कपूर आदि रहे।

छात्र अब चूहे, मछली पर कर सकेंगे शोध

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जन्तु विज्ञान विभाग के छात्र अब लघु पशुओं (कृतक, चूहा, मछली और पक्षी) पर अनुसंधान व परीक्षण कर सकेंगे। इससे जूलॉजी तीसरे व चतुर्थ सेमेस्टर के छात्रों को पढ़ाई में आसानी होगी। लघु पशु सुविधा की स्थापना व पंजीकरण भारत सरकार की मत्स्य, पशु पालन एवं डेरी मन्त्रालय के अन्तर्गत जानवरों पर प्रयोग के नियंत्रण और पर्यवेक्षण के उद्देश्य की समिति (सीपीसीएसईए) द्वारा किया गया।

सीपीसीएसईए ने विश्वविद्यालय द्वारा अनुशंसित पांच सदस्यों की आंतरिक समिति को स्वीकारा। साथ ही पशु आचार समिति के लिए चार बाहरी नामित सदस्यों का सुझाव दिया।

NBT PAGE 4

प्रो. अनुप कुमार भारतीय को ग्लोबल कॉन्क्लेव अवॉर्ड

■ एनबीटी सं, लखनऊ : बीते दिनों दुबई में हुए ग्लोबल कॉन्क्लेव 2023 में लखनऊ यूनिवर्सिटी के समाज कार्य के विभागाध्यक्ष प्रो. अनूप कुमार भारतीय को ग्लोबल कॉन्क्लेव 2023 अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इस मौके पर प्रो. भारतीय ने महिला नेतृत्व विषय पर विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि संकट और विपरीत स्थिति में महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा ज्यादा धैर्य से कार्य करती हैं।

i-NEXT PAGE 3

मिल गया छोटे पशुओं पर रिसर्च और प्रैक्टिकल का ग्रीन सिग्नल

i SPECIAL

माइस, चूहे, मछलियों एवं चिड़ियो पर शोध व प्रैक्टिकल के लिए लघु पशु गृह सुविधा की शुरुआत

LUCKNOW(28 Jan): लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में छात्र-छात्राओं से लेकर शोधार्थी तक अब छोटे पशु पक्षियों पर शोध व प्रैक्टिकल कर सकेंगे. इसके लिए विभाग में एक लघु पशु सुविधा गृह की स्थापना की है, जिसका पंजीकरण केंद्रीय मत्स्य, पशु पालन एवं डेरी मंत्रालय के तहत कंट्रोल एंड प्रोटेक्शन एंड सुपरविजन आफ एक्सपेरीमेंट्स आन एनिमल डिवीजन में कराया है.

ये है सुविधा

लघु पशु सुविधा गृह में चूहों, विभिन्न प्रकार की मछलियों, पक्षियों व माइस आदि के लिए एयरकंडीशन, खाद्य पदार्थ सहित सभी सुविधाएं रखी गई हैं. रखरखाव के लिए टैंक बनाया गया है. मछली, चूहे को क्वारंटाइन करने की भी सुविधा है.

किया गया था आवेदन

अभी तक एलयू के जंतु विज्ञान विभाग के पास सीपीसीएसईए से सिर्फ पक्षी पर शोध का अनुमोदन मिला था, लेकिन माइस (कृंतक-चूहे की एक प्रजाति), चूहा, प्रतिबंधित मछली आदि पर शोध व प्रैक्टिकल नहीं हो सकता था. बीते दिनों विभाग ने लघु पशु सुविधा गृह की स्थापना कर सीपीसीएसईए में पंजीकरण के लिए आवेदन किया था.

विश्व से अलग है भारत की अर्थव्यवस्था

एलयू के व्यापार प्रशासन विभाग की ओर से भारतीय अर्थव्यवस्था व बैंकिंग सेक्टर पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया. इसमें मुख्य वक्ता अर्थशास्त्री डा. मनोरंजन शर्मा ने विद्यार्थियों को देश की आर्थिक व्यवस्था को समझाया. कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था विश्व की अर्थव्यवस्था से अलग है, जो विपरीत परिस्थितियों में भी देश को संभाले रखता है. उन्होंने वसुधैव कुटुंबकम की चर्चा करते हुए छात्रों को देश में घटित आर्थिक गतिविधियों, देश के आर्थिक हालात पर प्रभाव, देश की आर्थिक विकास दर, वैश्विक आर्थिक मंदी के प्रभाव, सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रम का निजीकरण आदि के विषय में बताया.

किया गया था निरीक्षण

विभाग के हेड प्रोफेसर एम सेराजुद्दीन ने बताया कि सीपीसीएसईए ने इस सुविधा की जांच के लिए संजय गांधी परास्नातक आयुर्विज्ञान संस्थान से निरीक्षक के रूप में डा. अतुल कुमार बरनवाल ने टीम आंतरिक समिति की उपस्थिति में 14 जनवरी को निरीक्षण किया था. दो दिन पहले वहां से अनुमोदन मिल गया है. अब वर्ष 2028 तक इस लघु पशु सुविधा का इस्तेमाल शोध एवं प्रैक्टिकल में किया जा सकेगा.

ये है नियम

यदि कोई भी पशु, पक्षी को शोध या प्रयोगात्मक के लिए उपयोग में लाना है तो इंस्टीट्यूशनल एनिमल एथिक्स कमेटी बनाना अनिवार्य है. इसमें पांच इंटरनल और चार बाहरी सदस्य नामित होते हैं. मंत्रालय की ओर से कमेटी में चार सदस्य और लवि के पांच सदस्य नामित किए गए हैं. अब यह कमेटी लवि में अनुसंधान एवं व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए माइस, चूहे, मछली व पक्षियों के उपयोग की देखभाल करेगी.

JAGRAN CITY PAGE III

छोटे पशुओं पर शोध और प्रैक्टिकल की मिली अनुमति

लखनऊ विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग में की गई लघु पशु गृह सुविधा की स्थापना ● सौजन्य से लवि

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के जंतु विज्ञान विभाग में विद्यार्थियों से लेकर शोधार्थी तक छोटे पशु पक्षियों पर शोध व प्रैक्टिकल कर सकेंगे। इसके लिए विभाग में लघु पशु सुविधा गृह की स्थापना की है, जिसका पंजीकरण केंद्रीय मत्स्य, पशु पालन एवं डेरी मंत्रालय के तहत कंट्रोल एंड प्रोटेक्शन एंड सुपरविजन आफ एक्सपेरीमेंट्स आन एनिमल (सीपीसीएसईए) डिवीजन में कराया है।

अभी तक लवि के जंतु विज्ञान विभाग के पास सीपीसीएसईए से सिर्फ पक्षी पर शोध का अनुमोदन मिला था, लेकिन माइस (कृंतक-चूहे की एक प्रजाति), चूहा, प्रतिबंधित मछली आदि पर शोध व प्रैक्टिकल नहीं हो सकता था। बीते दिनों विभाग ने लघु पशु सुविधा गृह की स्थापना कर सीपीसीएसईए में पंजीकरण के लिए आवेदन किया था। विभाग के हेड प्रोफेसर एम सेराजुद्दीन ने बताया कि सीपीसीएसईए ने इस सुविधा की जांच के लिए संजय गांधी परास्नातक आयुर्विज्ञान संस्थान से निरीक्षक के रूप में डा. अतुल कुमार बरनवाल ने टीम आंतरिक समिति की उपस्थिति में 14 जनवरी को निरीक्षण किया था। दो दिन पहले वहां से अनुमोदन मिल गया है। अब वर्ष 2028 तक इस लघु पशु सुविधा का इस्तेमाल शोध एवं प्रैक्टिकल में किया जा सकेगा।

ये है सुविधा : लघु पशु सुविधा गृह में चूहों, विभिन्न प्रकार की मछलियों, पक्षियों व माइस आदि के लिए एयरकंडीशन, खाद्य पदार्थ सहित सभी सुविधाएं रखी गई हैं। रखरखाव के लिए टैंक बनाया गया है। मछली, चूहे को क्वारंटाइन करने की भी सुविधा है।

ये हैं नियम

यदि कोई भी पशु, पक्षी को शोध या प्रयोगात्मक के लिए उपयोग में लाना है तो इंस्टीट्यूशनल एनिमल एथिक्स कमेटी (आइएईसी) बनाना अनिवार्य है। इसमें पांच इंटरनल और चार बाहरी सदस्य नामित होते हैं। मंत्रालय की ओर से कमेटी में चार सदस्य और लवि के पांच सदस्य (कुल नौ सदस्य) नामित किए गए हैं। यह कमेटी अनुसंधान एवं व्यावहारिक उद्देश्यों के लिए माइस, चूहे, मछली व पक्षियों के उपयोग की देखभाल करेगी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में एमबीए विषम सेमेस्टर की परीक्षाएं छह से

जासं, लखनऊ : बीटेक, बीफार्मा और एमसीए के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) ने इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंस (आइएमएस) में संचालित एमबीए रेगुलर व बैक पेपर की विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का कार्यक्रम जारी कर दिया। प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं छह फरवरी से शुरू होंगी। वहीं, तीसरे सेमेस्टर की यह परीक्षाएं सात फरवरी से संचालित होंगी। परीक्षा के लिए आइएमएस को ही केंद्र बनाया गया है। इसका समय सुबह नौ से दोपहर 12 बजे तक रहेगा।

लवि के द्वितीय परिसर में आइएमएस संस्थान है। यहां एमबीए के विभिन्न पाठ्यक्रम संचालित हैं। लवि के परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी की ओर से जारी कार्यक्रम के मुताबिक एमबीए (फाइनेंस एंड कंट्रोल), एचआर (मार्केटिंग), आइबी, (ई एंड एफबी) प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा छह से 24 फरवरी तक चलेंगी। एमबीए इंटरनेशनल बिजनेस तृतीय सेमेस्टर, एमबीए मार्केटिंग तृतीय सेमेस्टर, एमबीए ह्यूमन रिसोर्स तृतीय सेमेस्टर, एमबीए फाइनेंस एंड कंट्रोल तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं सात से 21 फरवरी तक होंगी।

'विश्व से अलग है भारत की अर्थव्यवस्था'

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग की ओर से शनिवार को भारतीय अर्थव्यवस्था व बैंकिंग सेक्टर पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें मुख्य वक्ता अर्थशास्त्री डा. मनोरंजन शर्मा ने विद्यार्थियों को देश की आर्थिक व्यवस्था को समझाया। नई आर्थिक नीति, रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध से आर्थिक प्रभाव पर भी विद्यार्थियों से चर्चा की। संयोजक विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता साहू रहीं। समन्वयक डा. निमिषा कपूर, डा. राम सिंह, डा. शिल्पी सिंह का सहयोग रहा। (जासं)

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

सनातन संस्कृति में पहले से थे अर्धनारीश्वर

भारत में महिलाओं व पुरुषों में नहीं था भेदभाव, वसुधैव कुटुम्बकम का नारा हमारे अंदर रचा बसा : तूलिकारानी

■ लविवि में 'नेतृत्व और प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका' विषयक सेमिनार

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज शास्त्र विभाग में शनिवार को वी केयर फाउंडेशन द्वारा जी 20 के अंतर्गत 'नेतृत्व और प्रवंधन में महिलाओं की भूमिका' विषय पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि स्क्वाड्रन लीडर तथा जी 20 की व्रांड एम्वेस्डर तूलिका रानी उपस्थित थी।

इस दौरान तूलिका रानी ने कहा कि सनातन संस्कृति में अर्धनारीश्वर पहले से थे। भारत में कभी महिलाओं व पुरुषों में भेदभाव नहीं था। वसुधैव कुटुम्वकम का नारा हमारे अंदर रचा वसा है। उन्होंने वताया कि हमें अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों के समक्ष अपनी सांस्कृतिक विरासत को दिखाना है। जी-20 की अध्यक्षता करना ऐतिहासिक है। उन्होंने इतिहास में नारी के नेतृत्व और प्रवंधन की क्षमता को वताते हुए अपने क्षेत्र के अनुभव साझा किए।

विशिष्ट अतिथि लविवि की वरिष्ठ प्रो. निशी पांडे ने महिलाओं को अपने लक्ष्य को निडर होकर विना रुके प्राप्त करने और पितृसत्तात्मक समाज के खिलाफ स्वयं को वरावरी पर लाने की वात वताई। इस दौरान प्रो. पांडे के मुंह से अचानक 'विना वत्ती, विना पानी, फिर भी ए प्लस प्लस' की वात निकली। इससे हॉल में मौजूद सभी शिक्षक व छात्र छात्राओं को हंसने का मौका मिल गया। हालांकि वाद में उन्होंने कहा कि मुझे विवि में चालीस साल हो चुके हैं फिर भी ये दिक्कत वनी है। प्रो. निशि पांडे ने कहा कि वैसे भी नैक का मूल्यांकन पव्लिकेशन, एडमिनिस्ट्रेशन से होता है। लविवि में दर्शनशास्त्र विभाग के डायरेक्टर पद पर कार्यरत रह चुके प्रो. राकेका चन्द्रा ने महिलाओं की नेतृत्व क्षमता के विकास और सशक्तिकरण को परिवार और समाज में निर्धारित भूमिका के आधार पर समझाने का प्रयास किया। मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष और महिला अध्ययन विभाग की को-आर्डिनेटर डा. अर्चना शुक्ला ने अपने वक्तव्य में स्वयं के व्यक्तित्व के विकास पर जोर देने की वात कही और स्वयं के व्यक्तित्व को निखारने के तरीकों को भी वताया। समाजशास्त्र विभाग के डायरेक्टर डा. डी.आर. साहू ने कहा कि हर महिला के अंदर नेतृत्व की क्षमता होती है, वस जरूरत होती है उसको समझने और पहचानने की। महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपनी जिम्मेदारियां वखूवी निभाती हैं। डा. एस.के. चौधरी ने महिलाओं के विकास और उनके सशक्तिकरण को उनके मनोवल से जोड़कर वताने का प्रयास किया। कार्यक्रम में डा. संजू त्रिपाठी ने अपनी रचना 'आजादी का जश्न' में महिलाएं अपनी आजादी का जश्न कैसे मना पाएंगी, यह वताने का प्रयास किया, साथ ही उनकी पुस्तक 'एंटरप्रेन्योरशिप, जेंडर एंड सोशल चेंज' का विमोचन भी मंच पर उपस्थित सदस्यों द्वारा किया गया। मंच का संचालन आशु भटनागर ने किया। अंत में वी. केयर फाउंडेशन की संस्थापिका डा. रेनू सिंह ने वी. केयर फाउंडेशन के वारे में वताते हुए सभी उपस्थित सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

AMRIT VICHAR PAGE 4

अर्थव्यवस्था एवं बैंकिंग की दी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग की इकाई- 'मैनेजमेंट एक्यूमेंन सेल' ने 'छात्रों के समावेशी विकास' को ध्यान में रख कर 'भारतीय अर्थव्यवस्था एवं बैंकिंग सेक्टर पर' व्याख्यान का आयोजन किया।

विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता साहू के संयोजन में आयोजित इस व्याख्यान को डॉ. मनोरंजन शर्मा ने बतौर मुख्य वक्ता विद्यार्थियों को संबोधित किया। वर्तमान में डॉ. मनोरंजन शर्मा- इन्फॉमेरिक्स रेटिंग्स कंपनी के 'चीफ इकोनॉमिस्ट' के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने छात्रों को देश में घटित आर्थिक गतिविधियां और इन गतिविधियों की देश के आर्थिक हालात पर प्रभाव, देश की आर्थिक विकास दर (जीडीपी), देश के परिपेक्ष्य में वैश्विक आर्थिक मंदी के प्रभाव, सार्वजनिक क्षेत्रों के उपक्रमों का निजीकरण, आदि विषयों पर विचार व्यक्त किए। इस मौके पर कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. निमिषा कपूर, डॉ. शिल्पी सिंह और डॉ. राम सिंह मौजूद रहे।

प्रो. अनूप ने ग्लोबल कॉन्क्लेव को किया संबोधित

दुबई में प्रो. अनूप कुमार भारतीय को किया गया सम्मानित। अमृत विचार

अमृत विचार, लखनऊ : दुबई में 25-26 जनवरी को आयोजित ग्लोबल कॉन्क्लेव 2023 में लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अनूप कुमार भारतीय ने बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। उन्होंने बालिकाओं की शिक्षा को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि संकट अथवा विपरीत स्थिति में महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा ज्यादा धैर्य से कार्य करती हैं और ज्यादा संवेदनशील रहती हैं। यही कारण है कि महिलाएं ज्यादा अच्छा परिणाम देती हैं। महिलाओं के नेतृत्व में सभी लोग आपसी सहयोग एवं समन्वय से कार्य करते हैं। महिलाओं को जो विशेषताएं जन्म से प्राप्त होती हैं, उन्हें पहले नकारात्मक माना जाता रहा है। आज यही विशेषताएं महिलाओं के लिए वरदान हैं जो उन्हें पुरुषों से आगे ले जा रहीं। इससे उनमें कुशल नेतृत्व क्षमता उत्पन्न हो रही है।

लविवि में भारतीय अर्थव्यवस्था एवं बैंकिंग सेक्टर पर व्याख्यान

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग की प्रभावी इकाई-'मैनेजमेंट एक्यूमेंन सेल' ने शनिवार को 'छात्रों के समावेशी विकास' को ध्यान में रख कर भारतीय अर्थव्यवस्था एवं वैंकिंग सेक्टर पर आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया।

आयोजन में आमंत्रित किए गए वक्ता देश के जाने माने अर्थशास्त्रियों में से एक, निपुण एवं दक्ष अर्थशास्त्री डा. मनोरंजन शर्मा रहे। वक्ता ने 'वसुधैव कुटुंवकम' का नारा वोल कर अपना वक्तव्य पेश किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को देश में घटित आर्थिक गतिविधिया और इन गतिविधियों की देश के आर्थिक हालात पर प्रभाव, देश की आर्थिक विकास दर देश के परिपेक्ष में वैश्विक आर्थिक मंदी के प्रभाव, सार्वजानिक क्षेत्रों के उपक्रमों का निजीकरण आदि विषयों पर अर्थशास्त्री होने के तौर पर खुले मन से अपने विचार व्यक्त करें। साथ ही वक्ता ने 1929 के ग्रेट डिप्रेशन, वर्तमान में स्टैगनेशन, सांख्यिकीय डाटा के साथ अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में छात्रों ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

छात्रों ने समझे आर्थिक विकास के मुद्दे

स्वतंत्र भारत संवाददाता ,लखनऊ ।लखनऊ विश्वविद्यालय के व्यापार प्रशासन विभाग की प्रभावी इकाई मैनेजमेंट एक्यूमेंन सेल ने छात्रों के समावेशी विकास को ध्यान में रख कर शनिवार को भारतीय अर्थव्यवस्था एवं बैंकिंग सेक्टर पर आमंत्रित व्याख्यान का आयोजन किया। इस आयोजन में आमंत्रित किए गए वक्ता देश के जाने माने अर्थशास्त्रियों में से एक, निपुण एवं दक्ष अर्थशास्त्री डॉ. मनोरंजन शर्मा थे।कार्यक्रम का संयोजन विभागाध्यक्ष प्रो. संगीता साहू ने किया।कार्यक्रम का प्रारंभ विभागाध्यक्ष, सभी अध्यापकगण एवं वक्ता डॉ. मनोरंजन शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया।आयोजन में वक्ता ने वसुधैव कुटुंबकम का नारा बोल कर अपना वक्तव्य पेश किया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों को देश में घटित आर्थिक गतिविधिया और इन गतिविधियों की देश के आर्थिक हालात पर प्रभाव, देश की आर्थिक विकास दर, देश के परिपेक्ष में वैश्विक आर्थिक मंदी के प्रभाव, सार्वजानिक क्षेत्रों के उपक्रमों का निजीकरण, आदि विषयों पर अर्थशास्त्री होने के तौर पर खुले मन से अपने विचार व्यक्त करें।साथ ही साथ उन्होंने1929 के ग्रेट डिप्रेशन, वर्तमान में स्टैगनेशन ,सांख्यिकीय डाटा के साथ अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में, छात्रों ने वक्ता को धन्यवाद ज्ञापित किया।